भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 755
दिनांक 07.02.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र में अमेरिका-भारत साझेदारी

755. **श्री मनीष जायसवालः**
श्री मनोज तिवारीः
श्री अनुराग सिंह ठाकुरः
श्री योगेन्द्र चांदोलियाः
श्रीमती अपराजिता सारंगीः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विशेषकर अमरीकी अधिकारियों के साथ हाल ही में हुई चर्चाओं के आलोक में प्रौद्योगिकी और रक्षा के क्षेत्र में अमरीका-भारत साझेदारी को प्रोत्साहन देने के लिए क्या विशिष्ट पहलें की जा रही हैं;

(ख) क्या आगामी वर्षों में उक्त साझेदारी को और सुदृढ़ करने के लिए किन्हीं विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग किए जाने की संभावना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या भारत और अमरीका के बीच मौजूदा व्यापार संबंधी विवादों को दूर करने के लिए कोई उपाय किए जा रहे हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से ग) प्रौद्योगिकी, भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ बन गई है। महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी संबंधी भारत-अमेरिका पहल (आईसीईटी), जो मई 2022 में शुरू की गई थी, का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहभागिता और रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत बनाना है। आईसीईटी का उद्देश्य क्वांटम कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, 5जी/6जी और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सरकारों, व्यवसायों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।
अमेरिका-भारत रक्षा प्रौद्योगिकी सहभागिता को बढ़ाने के लिए कई पहल भी शुरू की जा रही हैं। अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत महत्वपूर्ण प्रगति हासिल हुई है, जिसमें जेट इंजन,

युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिक सह-उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने वाले मौजूदा सहयोग शामिल हैं। 2023 में शुरू की गई भारत-अमेरिका रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र (इंडस-एक्स) पहल से दोनों सरकारों, व्यवसायों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच रक्षा संबंधी नवाचार सहयोग में भी बढोतरी हो रही है।

दोनों पक्षकार सेमीकंडक्टर, नागरिक और रक्षा अंतरिक्ष, उन्नत दूरसंचार, जैव प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम सहित सभी प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए संपर्क कर रहे हैं।

(घ और ङ) भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार से संबंधित सभी मसलों का स्थापित द्विपक्षीय तंत्र के माध्यम से रचनात्मक ढ़ंग से निपटान किया जाता है। भारत-अमेरिका व्यापार नीति फोरम (टीपीएफ), जिसे 2005 में स्थापित किया गया था, इस उद्देश्य के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है। यह फोरम टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं (एनटीबी), आपसी मान्य करारों (एमआरए), सीमा शुल्क प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी (एसपीएस) उपायों के साथ-साथ लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं, बेहतर नियामक परिपाटियों, व्यापार सुविधा और पारदर्शिता से संबंधित मसलों से जुड़ी सभी चिंताओं पर विचार विमर्श करने के लिए एक मंच है। 2023 में, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने टीपीएफ के तहत द्विपक्षीय चर्चाओं के बाद विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सभी सात लंबित व्यापार संबंधी विवादों का समाधान कर लिया है।

****